जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. मुमताज अहमद खान* **क्रमांक 35**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी **दिनांक 08.03.2022**

महिला कृषि वैज्ञानिकों ने विश्वभर में अपनी छाप छोड़ी है – डॉ. बिसेन

जनेकृविवि में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

जबलपुर 08 मार्च। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में विशेष सत्र में महिला सशक्तिकरण विषय पर आयोजित सेमीनार में मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने कहा कि जनेकृविवि की महिला कृषि वैज्ञानिक एवं प्राध्यापिकों ने कृषि अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान कायम की है। एक नारी में पूरे परिवार और समाज को सशक्त, शिक्षित और समृद्ध करने की शाक्ति और सामर्थ्य होती है। हम भारतवासी पौराणिक काल से ही नारी को देवी का दर्जा देकर पूजते आये हैं। कहा गया है जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता भी निवास करते हैं। देश के कृषि विकास में नारीशक्ति का अतुलनीय योगदान है, खेती का 70 प्रतिशत कार्य महिलायें सम्पादित करती हैं। उन्होंने महिलाओं को कृषि उद्यम के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के मार्ग भी सुझाये और महिलाओं को प्रतिस्पर्धा के दौर में आगे आने का आव्हान किया।

सेमीनार कि मुख्य वक्ता डॉ. (श्रीमति) राजलक्ष्मी त्रिपाठी विभागाध्यक्ष मोहनलाल हरगोविन्द्र दास गृह विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर ने कहा कि हमारी संस्कृति ने हमें सशक्त जन्मा है। आज ही प्रण करें कि आप कभी भावुक नहीं होंगी। इससे नारी कमजोर होती है। आज की महिला पूर्णतः सबला है।

मुख्य आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय महिलाओं ने हरेक क्षेत्र में वैश्विकस्तर पर अपनी काबलियत का लोहा मनवाया है। यहां तक कि देश की सीमाओं पर भी हमारी बहनें हाथों में बन्दूक लिये सीना तानकर एक मजबूत सैनिक के रूप में खड़ी हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा के साथ छात्रों को दीक्षित करने और उनके सर्वांगीण विकास के लिये यह 21 दिनी आयोजन के तहत आज महिला सशक्तिकरण सेमीनार रखा गया है। इसमें हर दिन राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के विविध क्षेत्रों के विद्धतजन व्याख्यान के साथ छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे। कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने इस आयोजन खासकर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा की भूरि–भूरि प्रंशासा करते हुये कहा कि विवि के इतिहास में ऐसा आयोजन इनते बड़े लेबल पर पहली बार हो रहा है।

इस दौरान विशिष्ट उपलब्धियां और अनुसंधान कार्य करने वाली महिला प्राध्यापक एवं वैज्ञानिकों को छात्राओं ने पुष्पगुच्छ भेंट सम्मानित किया।

इस मौके पर कृषि एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की महिला प्राध्यापक, कृषि वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राओं से विवेकानन्द सभागार ठसाठस भरा था। जबकि जनेकृविवि से संबद्ध अन्य कृषि महाविद्यालय, रीवा, टीकमगढ़, गंजबसौदा, वारासिवनी (बालाघाट), पवारखेड़ा (होशंगाबाद), रहली (सागर) एवं खुरई (सागर) के सैकड़ों छात्र–छात्रायें ऑनलाईन जुड़े। इस मौके पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता बब्बर, कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला, नाहेप प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. आर.के. नेमा आदि मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा नवेरिया ने किया।

–000–